a2zpapers.com

Exam. Code : 216303
Subject Code : 6471

M.A. (Hindi) 3rd Semester

ADHUNIK GADH SAHITYA

Paper—XII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :—निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

प्रथम भाग

(अ)

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 4×6=24

(क) नहीं, बेटा, अब तुम अपनी बहू के साथ जैसा मन चाहे रहो। मैंने अपना खा-पहन लिया। अब यहाँ क्या करूँगी। जो थोड़े दिन ज़िन्दगानी के बाकी हैं, भगवान का नाम लूँगी। तुम मुझे हरिद्वार भेज दो।

(ख) पाँच साल का समय कुछ कम तो नहीं होता। लम्बे-लम्बे पाँच साल। पूरे पाँच साल के बाद आज रामसुभग को भौजी की याद आयी है। पाँच साल में उसने एक बार भी कुशल-मंगल का हाल नहीं दिया। एक बार भी नहीं पूछा कि भौजी जीती है कि मर गयी। जब अपना ही नहीं रहा हाल-चाल लेने वाला, तो दूसरा कौन पूछता है किसे ?

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(ग) उस 19 वर्ष की युवती की दयनीयता आज समझ पाती हूँ, जिसके जीवन के सुनहरे स्वप्न गुड़ियों के घरौंदे के समान दुर्दिन की वर्षा में केवल बह ही नहीं गये, वरन् उसे इतना एकाकी छोड़ गये कि उन स्वप्नों की कथा कहना भी संभव न हो सका।

(घ) और तब अपने स्नेह में प्रगल्भ उस बालक के सिर पर हाथ रखकर मैं भावातिरेक से ही निश्चल हो रही। उस तट पर किसी गुरु को किसी शिष्य से कभी ऐसी दक्षिणा मिली होगी, ऐसा मुझे विश्वास नहीं; परंतु उस दक्षिणा के सामने संसार में अब तक सारे आदान-प्रदान फीके जान पड़े।

(ङ) आखिर उसे भी तो कुछ आराम मिलना चाहिए। लेकिन भाग्य में आराम लिखा होता तब तो मिलता। तब देवरों के लिए मरती थी, अब अपने बच्चों के लिए मरती है। वह इतनी सीधी, गमखोर, निर्छल न होती, तो आज सोभा और हीरा जो मूँछों पर ताव देते फिरते हैं, कहीं भीख माँगते होते। आदमी कितना स्वार्थी हो जाता है। जिसके लिए मरो, वही जान का दुश्मन हो जाता है।

(च) मालती बाहर से तितली है, भीतर से मधुमक्खी। उसके जीवन में हँसी ही हँसी नहीं है, केवल गुड़ खाकर कौन जी सकता है ! और जिये भी तो वह कोई सुखी जीवन न होगा। वह हँसती है, इसलिए कि उसे इसके भी दाम मिलते हैं।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(आ)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए :— 4×6=24

(क) होरी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) होरी के शोषण का क्या कारण है ?

(ग) 'बादलों के घेरे' कहानी का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(घ) शबरी कहानी के कथ्य का सारांश लिखिए।

(ङ) उपन्यासकार भीष्म साहनी का सामान्य जीवन-परिचय दीजिए।

(च) कहानीकार अज्ञेय का साहित्यिक परिचय दीजिए।

द्वितीय भाग

3. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए :— 16×2=32

(क) हिन्दी उपन्यास में प्रेमचन्द के योगदान पर विचार कीजिए।

(ख) 'यही सच है' कहानी में चित्रित अंतर्द्वन्द्व को रेखाकिंत कीजिए।

(ग) रेखाचित्र के तत्त्वों के आधार पर 'अलोपी' का मूल्यांकन कीजिए।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab